Rush of Traffic on Moghalsarai and Varanasi G.T. Road

1234. SHRI ZAINUL BASHER: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the heavy rush of traffic of heavy vehicles passing through Moghalsarai and Varanasi on G.T. Road resulting in traffic jam for hours and increase in the number of accident; and

(b) whether there is any scheme of by-passing these towns and what is the progress in this regard?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI A. P. SHARMA): (a) and (b). Construction of byepass avoiding congested towns of Varanasi and Moghalsarai, with a bridge over river Ganga, has been included in the programme of new works for improvement on National Highways drawn up for 1978—83 Plan period. Preliminary investigations and surveys for the entire project have been authorised to enable the State Government to prepare the project estimate. Investment decision will be taken subject to priorities and financial constraints when the project estimates are available.

जोधपुर से जयपुर और जयपुर से जोधपुर के बीच नई एक्सप्रैस रेल गाड़ी चलाया जाना

1235. श्री विरदी चन्द जैन : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जोधपुर और जयपुर के बीच एक नई-एक्सप्रैस गाड़ी चलाने के लिये, जो जोधपुर से प्रात: 6 बजे चल कर दोपहर एक बजे जयपुर पहुंचेगी और जो पुन: जयपुर से दोपहर ढाई बजे चल कर रात्री के 9.30 बजे जोधपुर पहुंचेगी, उत्तर रेलवे द्वारा एक प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया था;

(ख) यदि हां, तो इस प्रस्ताव को स्वीकार करने में विलम्ब के क्या कारण हैं; और

(ग) जनता की इस मांग को पूरा करने के लिये उपरोक्त रेलगाड़ी कब तक शुरू की जायेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) से (ग). जयपुर और जोधपुर के बीच एक अन्त:नगरीय गाड़ी चलाये जाने का एक प्रस्ताव विचाराधीन है और रेल मंत्रालय द्वारा उत्तर रेलवे तथा पश्चिम रेलवे के परामर्श से इस का ब्यौरा तैयार किया जा रहा है तथा यथा-व्यावहारिक कार्यवाही की जायेगी ।

अफगानिस्तान समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के सम्बन्ध में विदेशों को भेजे गये अधिकारियों पर व्यय की गई विदेशी मुद्रा

1236. श्री निहाल सिंह : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार ने अफगानिस्तान की समस्या के शान्तिपूर्ण समाधान के सम्बन्ध में 25 फरवरी, 1980 तक विभिन्न देशों को कितने अधिकारी भेजे थे और इन देशों के नाम क्या हैं; और

(ख) प्रत्येक देश में उन के दौरे पर कितनी कितनी विदेशी मुद्रा व्यय की गई ?

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : (क) और (ख) समीक्षाधीन अवधि में भारत सरकार के अधिकारियों ने विशेष रूप से अफगानिस्तान में हुई हाल की घटनाओं पर बातचीत करने के लिए विदेशों की निम्नलिखित यात्रायें कीं :—

(1) श्री आर० भंडारी, सचिव, (ई० आर)	कुवैत और ईरान (तेहरान) (23-2-80 से 28-2-80 तक)
(2) श्री ई० गोन्साल्वेज सचिव (पूर्व)	संयुक्त राज्य अमरीका (वाशिंगटन, न्यूयार्क) कनाडा (ओटावा) और यूनाइटेड किंगडम (लंदन) (23-2-80 से 4-3-80 तक)
(3) श्री एस० के० सिंह अपर सचिव (प्रशासन)	अफगानिस्तान (काबुल) (6-2-80 से 11-2-80 तक)

इनके अतिरिक्त, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने आपसी हित के मामलों पर सावधिक द्विपक्षी परामर्श करने के सम्बन्ध में समीक्षाधीन अवधि में कुछ अन्य देशों की भी यात्रा की । इस विचार विनिमय के दौरान अफगानिस्तान की घटनाओं पर भी चर्चा हुई । ये यात्राएं थीं :

(1) श्री आर० डी० साठे, विदेश सचिव, (उनके साथ श्री पी० जोहरी, संयुक्त सचिव श्री जे० एन० दीक्षित, संयुक्त सचिव, और श्रीमती लक्ष्मी पुरी, अवर सचिव भी गए) ।	पाकिस्तान (इस्लामाबाद) (4-2-80 से 7-2-80 तक)